पु•ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Claas-VII

Hindi

Specimen copy

Year- 2020-21

Semester- 2

November

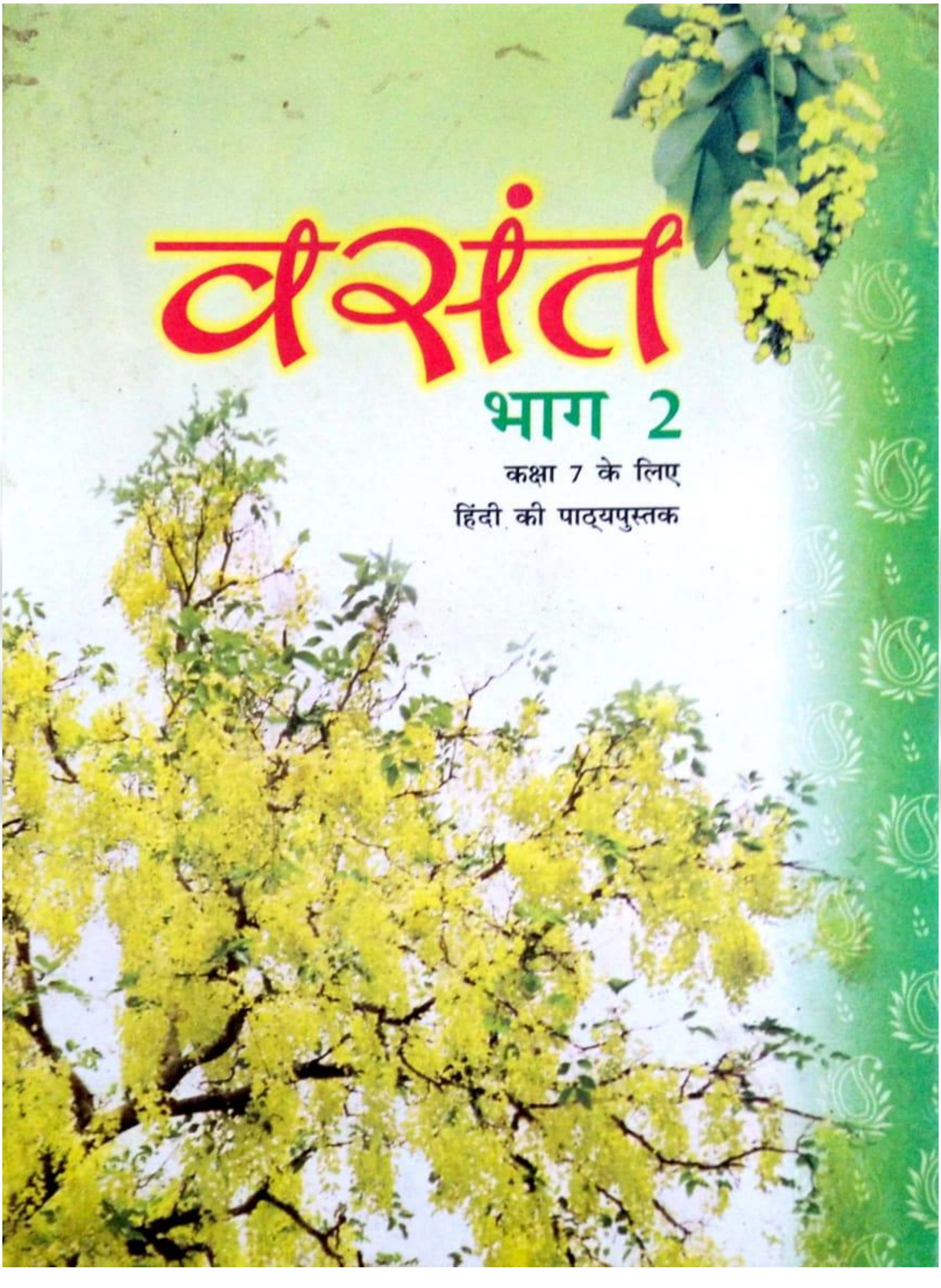
वसंत
भाग 2
कक्षा 7 के लिए
हिंदी की पाठ्यपुस्तक

पाठ 16 भोर और बरखा
- मीराबाई

* शब्दार्थ

रजनी- रात
किवार- दरवाजा
कुलाहल-शोर
बदरिया- बादल
भनक- खबर
दामिनी- बिजली
मेहा -बादल
सुनिपत- सुनाई देते है
गउवन- गायें
तार- उदधार करना
चहुदिस- चार दिशा

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1) मीरा किसकी दीवानी थी?

उत्तर- मीरा श्रीकृष्ण की दीवानी थी।

2) गोपियाँ दही क्यों बिलो रही थीं?

उत्तर- गोपियाँ दही बिलोकर मक्खन निकालना चाह रही थीं।

3) ग्वाल-बालों के हाथ में क्या वस्तु थी?

उत्तर- ग्वाल-बालों के हाथ में माखन-रोटी थी।

4) कैसी बूंदें पड़ रही थीं।

उत्तर- नन्हीं-नन्हीं बूंदे पड़ रही थीं।

5) मीरा को सावन मन भावन क्यों लगने लगा?

उत्तर- मीरा को सावन मन भावन लगने लगा, क्योंकि सावन के आते ही उसे श्रीकृष्ण के आने की भनक हो गई ।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

1) माता यशोदा अपने कृष्ण को किस प्रकार और क्या कहकर जगा रही है?

उत्तर- माता यशोदा अपने ललना श्रीकृष्ण को तरह-तरह के संकेत देकर जगाती है। वह अपने पुत्र से कहती है कि हे वंशीवाले प्यारे कन्हा! जागो रात बीत चुकी है। सुबह हो गई है। घरों के दरवाजे खुल गए हैं। गोपियाँ दही बिलो रही हैं। ग्वाल बाल द्वार पर खड़े होकर तुम्हारी जयकार कर रहे हैं। यानी वे गायों को लेकर जाने की तैयारी में हैं।

2) मीरा ने सावन का वर्णन किस प्रकार किया है?

उत्तर- कविता के दूसरे पद में मीरा ने सावन का वर्णन अनुपम ढंग से किया है। वे कहती हैं कि सावन के महीने में मन-भावन वर्षा हो रही है। सावन के आते ही मन में उमंग आ जाती है। उसे श्रीकृष्ण के आने की भनक लग जाती है। चारों ओर से बादल उमड़-घुमड़ कर आ रहे हैं, बिजली चमक रही है, नन्हीं-नन्हीं बूंदें पड़ रही हैं तथा मंद-मंद शीतल वायु चल रही है।

* दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1)पाठ के आधार पर सावन की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- सावन के महीने में बादल चारों तरफ़ उमड़-घुमड़कर आते हैं। बिजली अपनी छटा बिखेरती है। बारिश ज़ोरों की होने लगती है। नन्हीं-नन्हीं बूंदे बरसने लगती हैं और ठंडी-शीतल हवा बहने लगती है।

2)'बंसीवारे ललना' 'मोरे प्यारे लाल जी' कहते हुए, यशोदा किसे जगाने का प्रयास करती हैं और कौन-

कौन-सी बातें कहती हैं?

उत्तर- ‘बंसीवारे ललना’ ‘मोरे प्यारे’ व ‘लाल जी’ कहते हुए यशोदा श्रीकृष्ण को जगाने का प्रयास कर रही हैं। वह उनसे कहती हैं कि मेरे लाल जागो, रात बीत गई है, सुबह हो गई है। सबके घरों के दरवाजे खुल गए हैं। गोपियाँ दही बिलो रही हैं। और तुम्हारे खाने के लिए मनभावन मक्खन निकाल रही हैं। तुम्हें जगाने के लिए सभी देव और मानव खड़े हैं जो तुम्हारे दर्शनों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। तुम्हारे सखा, ग्वाल-बाल तुम्हारी जय-जयकार कर रहे हैं। अतः तुम अब उठ जाओ।

व्याकरण

* कारक की परिभाषा –

कारक शब्द का अर्थ होता है– क्रिया को करने वाला। क्रिया को करने में कोई न कोई अपनी भूमिका निभाता है, उसे कारक कहते है। अथार्त संज्ञा और सर्वनाम का क्रिया के साथ दूसरे शब्दों में संबंध बताने वाले निशानों को कारक कहते है।

दूसरे शब्दों में– संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका (संज्ञा या सर्वनाम का) सम्बन्ध सूचित हो, उसे (उस रूप को) 'कारक' कहते हैं।

उदाहरण –

श्रीराम **ने** रावण **को** बाण **से** मारा।

इस वाक्य में प्रत्येक शब्द एक–दूसरे से बँधा है और प्रत्येक शब्द का सम्बन्ध किसी न किसी रूप में क्रिया के साथ है।

1) कर्ता कारक

जो वाक्य में कार्य करता है, उसे कर्ता कहा जाता है। अथार्त वाक्य के जिस रूप से क्रिया को करने वाले का पता चले, उसे कर्ता कहते हैं।

दूसरे शब्द में– क्रिया का करने वाला 'कर्ता' कहलाता है।

जैसे –

- राम ने रावण को मारा।
- लड़की स्कूल जाती है।

पहले वाक्य में क्रिया का कर्ता राम है। इसमें "ने" कर्ता कारक का विभक्ति–चिह्न है। इस वाक्य में "मारा"भूतकाल की क्रिया है। "ने"का प्रयोग प्रायः भूतकाल में होता है। दूसरे वाक्य में वर्तमानकाल की क्रिया का कर्ता लड़की है। इसमें "ने" विभक्ति का प्रयोग नहीं हुआ है।

2) कर्म कारक

जिस संज्ञा या सर्वनाम पर क्रिया का प्रभाव पड़े, उसे कर्म कारक कहते है।

दूसरे शब्दों में– वाक्य में क्रिया का फल जिस शब्द पर पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते है। इसकी विभक्ति 'को' है। लेकिन कहीं–कहीं पर कर्म का चिन्ह लोप होता है।

जैसे– माँ बच्चे को सुला रही है।

इस वाक्य में सुलाने की क्रिया का प्रभाव बच्चे पर पड़ रहा है। इसलिए 'बच्चे को' कर्म कारक है।

- राम ने रावण को मारा।
  यहाँ 'रावण को' कर्म है।
- बुलाना, सुलाना, कोसना, पुकारना, जमाना, भगाना आदि क्रियाओं के प्रयोग में अगर कर्म संज्ञा हो, तो 'को' विभक्ति जरुर लगती है।

जैसे –

(i) **अध्यापक**, **छात्र को पीटता है।**

(ii) **सीता फल खाती है।**

(iii) **ममता सितार बजा रही है।**

(iv) **राम ने रावण को मारा।**

(v) **गोपाल ने राधा को बुलाया।**

(vi) **मेरे द्वारा यह काम हुआ।**

3) करण कारक

जिस वस्तु की सहायता से या जिसके द्वारा कोई काम किया जाता है, उसे करण कारक कहते है।

दूसरे शब्दों में – वाक्य में जिस शब्द से क्रिया के सम्बन्ध का बोध हो, उसे करण कारक कहते है। इसकी विभक्ति 'से' है।

'करण' का अर्थ है 'साधन'। अतः 'से' चिह्न वहीं करणकारक का चिह्न है, जहाँ यह 'साधन' के अर्थ में प्रयुक्त हो।

जैसे –

हम आँखों से देखते है।

इस वाक्य में देखने की क्रिया करने के लिए आँख की सहायता ली गयी है। इसलिए आँखों से करण कारक है।

4) संप्रदान कारक– सम्प्रदान कारक का अर्थ होता है– देना। जिसके लिए कर्ता काम कर्ता है उसे सम्प्रदान कारक कहते हैं। सम्प्रदान कारक के विभक्ति चिन्ह के लिए और को होता है। इसको किसके लिए प्रश्नवाचक शब्द लगाकर भी पहचाना जा सकता है। समान्य रूप से जिसे कुछ दिया जाता है या जिसके लिए कोई कार्य किया जाता है उसे सम्प्रदान कारक कहते हैं।

(i) **गरीबों** को खाना दो।
(ii) **मेरे** लिए दूध लेकर आओ।
(iii) माँ **बेटे** के लिए सेब लायी।
(iv) अमन ने **श्याम** को गाड़ी दी।
(v) मैं **सूरज** के लिए चाय बना रहा हूँ।
(vii) **भूखे** के लिए रोटी लाओ।
(viii) वे **मेरे** लिए उपहार लाये हैं।
(ix) सोहन **रमेश** को पुस्तक देता है।

लेखन-विभाग

*** साक्षरता के विषय पर छात्र और अध्यापक के बीच संवाद लेखन**

अध्यापक : आज मैं आप सब को साक्षरता के बारे में बताता हूँ, साक्षरता हम सब के जीवन में बहुत जरूरी है ।

छात्रः साक्षरता का अर्थ विस्तार से बताए?

अध्यापक : साक्षरता का अर्थ होता है , शिक्षित होना , पढ़ाई करना , स्कूल जाना । साक्षर होने से हमें सब के बारे में जानकारी होती है, और हम आज़ादी से जी सकते है ।

छात्रः शिक्षा हमारे लिए बहुत जरूरी है ।

अध्यापक : सही कह रहे हो शिक्षा हमारे लिए बहुत जरूरी है , बिना शिक्षा के हमारा जीवन व्यर्थ है ।

छात्रः कई जगह पर तो अभी भी लोग बच्चों को शिक्षा के लिए नहीं भेजते।

अध्यापक : सभी जो उजागर करने ले लिए सरकार ने साक्षरता अभियान पर विज्ञापन चलाया है ताकी सभी को घर-घर तक पता चले सब पढ़े, और आगे बढ़े और उन्नति करें ।

छात्रः शिक्षा लेने का हक सब को है , हम किसी भी उम्र में सिख सकते है ।

अध्यापकः बौद्धिक विकास के लिए भी पूर्ण रूप से शिक्षित होना बहुत आवश्यक है। कुछ पढ़ना हो लिखना हो, किसी को समझना हो , दूसरे देश जाना हो , बहार जाना इसके लिए हमें शिक्षित होना बहुत जरूरी है ।

छात्रः आपने बहुत अच्छा समझाया हम सब याद रखेंगे ।

अध्यापक : मन लगा कर पढ़ाई करो और अपने लक्ष्य को प्राप्त करो ।

*** गतिविधि- मीराबाई का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।**

(बाल महाभारत)
पाठ 26-31

प्रश्न- पहले श्रीकृष्ण किसके भवन में गए?

उत्तर-पहले श्रीकृष्ण धृतराष्ट्र के भवन में गए।

प्रश्न-श्रीकृष्ण हस्तिनापुर किस उद्देश्य से गए?

उत्तर - शांति की बातचीत करने के उद्देश्य से श्रीकृष्ण हस्तिनापुर गए।

प्रश्न- धृतराष्ट्र से मिलने के बाद श्रीकृष्ण किससे मिलने गए?

उत्तर-धृतराष्ट्र से विदा लेकर श्रीकृष्ण विदुर के भवन में गए। कुंती वहीं कृष्ण की प्रतीक्षा में बैठी थी।

प्रश्न- श्रीकृष्ण को ठहराने का प्रबंध कहाँ किया गया और क्यों?

उत्तर- दुःशासन का भवन दुर्योधन के भवन से अधिक ऊँचा और सुंदर था। इसलिए धृतराष्ट्रनेआज्ञा दी कि उसी भवन में श्रीकृष्ण को ठहराने का प्रबंध किया जाए।

प्रश्न-कौरवों की सेना के नायक कौन थे?

उत्तर - कौरवों की सेना के नायक भीष्म पितामह थे ।

प्रश्न-किसे पांडवों की सेना का नायक बनाया गया?

उत्तर-वीर कुमार धृष्टद्युम्न को पांडवों की सेना का नायक बनाया गया।

प्रश्न-रुक्मी के अपमानित होने का कारण क्या था?

उत्तर - रुक्मी कर्तव्य से प्रेरित होकर नहीं, बल्कि अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र गया और अपमानित हुआ।

प्रश्न-युद्ध के समय कौन-कौन से राजा युद्ध में सम्मिलित नहीं हुए और तटस्थ रहे?

उत्तर- युद्ध के समय सारे भारतवर्ष में दो ही राजा युद्ध में सम्मिलित नहीं हुए और तटस्थ रहेएक बलराम और दूसरे भोजकट के राजा रुक्मी।

प्रश्न- कौरव-सेना में कौन से वीर अर्जुन का मुकाबला कर सकते थे?

उत्तर - सारी कौरवसेना में तीन ही ऐसे वीर थे, जो अर्जुन का मुकाबला कर सकते थे- भीष्म, द्रोण और कर्ण।

प्रश्न- युद्ध के समय पांडवों और कौरवों की सेना के अग्रभाग में कौन रहा करते थे?

उत्तर - कौरवों की सेना के अग्रभाग पर प्रायः दुःशासन ही रहा करता था और पांडवों की सेना के आगे भीमसेन।

प्रश्न-पहले दिन की लड़ाई में हुई दुर्गति से पांडवों ने क्या सबक लिया?

उत्तर- पहले दिन की लड़ाई में पांडव-सेना की जो दुर्गति हुई थी, उससे सबक लेकर पांडव सेना के नायक धृष्टद्युम्न ने दूसरे दिन बड़ी सतर्कता के साथ व्यूहरचना की और सैनिकों का साहस बँधाया।

प्रश्न- घटोत्कच कौन था?

उत्तर-घटोत्कच भीम का पुत्र था।

प्रश्न-चौथे दिन के युद्ध में दुर्योधन के कितने भाई मारे गए?

उत्तर - चौथे दिन के युद्ध में दुर्योधन के आठ भाई मारे गए।

प्रश्न–घटोत्कच के क्रोध का क्या कारण था?

उत्तर– अपने पिता को मूर्च्छित देखकर घटोत्कच को क्रोध आ गया।

प्रश्न–धृतराष्ट्र को कुरुक्षेत्र के मैदान का आँखों देखा हाल कौन सुनाता था?

उत्तर–संजय कुरुक्षेत्र के मैदान का आँखों देखा हाल धृतराष्ट्र को सुनाता था।

प्रश्न–कुमार शंख की मृत्यु कब हुई?

उत्तर-सांतवें दिन के युद्ध में कुमार शंख की मृत्यु कब हुई।

प्रश्न– आठवें दिन के युद्ध में भीमसेन ने धृतराष्ट्र के कितने बेटों का वध किया?

उत्तर –आठवें दिन के युद्ध में भीमसेन ने धृतराष्ट्र के आठ बेटों का वध किया।

प्रश्न– आठवें दिन के युद्ध में अर्जुन क्यों शोक–विह्वल हो उठा?

उत्तर– आठवें दिन के युद्ध में एक ऐसी घटना हुई कि जिससे अर्जुन शोकविह्वल हो उठा। उसका लाड़ला, साहसी और वीर बेटा इरावान, जो एक नागकन्या से पैदा हुआ था, उस दिन उसका वध हो गया।